अध्याय-चतुर्थ

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

अध्याय - चतुर्थ

प्रदत्तों का सकलन एव विश्लेषण

4.0 इस अध्याय मे अध्ययन हेतु सकलित आकडो को सारिणीबद्ध कर उद्देश्यो अनुसार उनका विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

4 1 उच्च प्राथमिक शाआलो मे शारीरिक शिक्षक का पद तथा नियुक्ति

शाला के प्रकार	कुल शालाए	स्वीकृत पद	नियुक्ति
शा उ प्रा शा	8	8	0
अशा उ प्रा शा	8	8	7

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारीरिक शिक्षक का पद होते हुए भी शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति नही है अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारीरिक शिक्षक का पद आठ शाआलो मे है और सात शालाओ मे शारीरिक शिक्षक नियुक्ति हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के पेज नबर 19 मे कहा गया है कि शारीरिक शिक्षा के अध्यापको की नियुक्ति की जायेगी।

शिक्षार्थियो के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के सम्बध मै, उच्च प्राथमिक स्तर पर शारीरिक एव स्वास्थ्य शिक्षा अति महत्वपूर्ण होती है। स्वास्थ्य शिक्षा मे, शिक्षार्थियो मे स्वास्थ्य सम्बधी सामान्य समस्याओ, सुरक्षा उपायो, पोषण सम्बधी समस्याओ प्रथम उपचार, स्वच्छता और प्रदूषण के सम्बध मे जागरूकता पैदा करने की व्यवस्था की जानी चाहिए। तथा खेल क्रियाओ को विधिवत तरीके से करवाने के लिए शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति होना आवश्यक है।

पूर्व मै किये गये किसी शोध–कार्य मै इस बिन्दु हेतु जानकारी उपलब्ध नही हुई, इसलिए वर्तमान मै किये गये अध्ययन की चर्चा हेतु आकडे उपलब्ध नही है।

निरन्तर

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति के बिना शालेय स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रम को आगे नही बढाया जा सकता। बच्चो के स्वास्थ्य एव शारीरिक विकास के लिए शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति अवश्य होना चाहिए।

अत शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति की स्थिति अशासकीय शालाओ मै अच्छी है।

4.2 उच्च प्राथमिक शालाओ मे कार्यरत शारीरिक शिक्षको की योग्यता

शाला के प्रकार	कार्यरत शारि.शि.	शारि.शि.डिप्लोमा	शारि शि डिग्री
शा उ प्रा शा	0	0	0
अशा उ प्रा शा	7	4	3

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारीरिक शिक्षक की योग्यता चार शाआलो मे शारीरिक शिक्षा मे डिप्लोमा धारक शिक्षक है। और तीन शालाओ मे शारीरिक शिक्षा की डिग्री प्राप्त शारीरिक शिक्षको की योग्यता है।

स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा तथा खेलकूद अधिगम प्रक्रिया शिक्षार्थियो की कार्यक्षमता का मूल्याकन करने के लिए शिक्षार्थी के सम्पूर्ण स्वास्थ्य मानसिक, भावनात्मक स्वास्थ्य, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के सम्बध मे बाछनीय समझ, दृष्टिकोण और व्यवहार विकसित करने मे सहयोग देने के लिए योग्य शारीरिक शिक्षक का होना अतिआवश्यक है। योग्य शिक्षक ही स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के उद्देश्यो को पूरा करने मे सफल हो सकते है।

शासकीय उच्च प्राथमिक शाआलो मे तो शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति नही है। और शाला के अन्य शिक्षक ही इस कार्य को करवाते है। अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मै योग्य शारीरिक शिक्षक नियुक्त है।

निरन्तर

LIBRARY Bhopal

अत इन शालाओ मे शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति शासकीय शालाओ की अपेक्षा उच्छी है।

4 3 उ प्रा शा मे शारीरिक शिक्षा के लिए बजट की उपलब्धि, पर्याप्तता तथा अपर्याप्तता

शाला के प्रकार	कुल शालाए	बजट उपलब्धता	बजट पर्याप्तता	बजट की अपर्याप्तता
शा उ प्रा शा	8	8	2	6
अशा उ प्रा शा	8	8	5	3

शोधकर्ती ने सभी आठ शासकीय तथा आठ अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे जाकर प्रश्नावली द्वारा पता लगाया कि उच्च प्राथमिक शालाओ मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए कितने बजट का आवटन किया जाता है।

बजट शाला के विद्यार्थियो की सख्या पर निर्भर करता है कि जितनी सख्या शालाओ मे विद्यार्थीओ की होती है उसी के हिसाब से बजट शालाओ को मिलना चाहिए। और सभी खेल क्रियाओ को ध्यान मे रखते हुए बजट का आवटन किया जाता है।

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि सभी आठ शासकीय शालाओ मे बजट उपलब्ध है। केवल दो शासकीय शालाओ मे बजट पर्याप्त है और छ शासकीय शालाओ मे बजट अपर्याप्त है।

अशासकीय सभी आठ शालाओ मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट उपलब्ध है और पाच अशासकीय शालाओ मे बजट पर्याप्त है तीन शालाओ मे अपर्याप्त है।

शासकीय शालाओ मे बजट

एक शासकीय उच्च प्राथमिक शाला मे 606 विद्यार्थियो की सख्या है और वहा 1500/– रू प्रतिवर्ष स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है। दूसरी शाला मे

निरन्तर

500 विद्यार्थियो की सख्या है और 1000/– रू प्रतिवर्ष शारीरिक शिक्षा हेतु दिया जाता है तीसरी शाला मे 650 विद्यार्थियो की सख्या है और वहा पर 1300/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट है।

चौथी शाला मे 700 विद्यार्थियो की सख्या है और 2200/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट है।

पाचवी शाला मे 350 विद्यार्थियो की सख्या है और वहा स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए 700/– रू दिये जाते है।

छटवी शाला मे 700 विद्यार्थियो की सख्या है और वहा क्रीडा निधि से 40% बजट स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

सातवी शाला मे 663 विद्यार्थियो की सख्या है और वहा 1326/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

आठवी शाला मे 500 विद्यार्थियो की सख्या है और 1000/– रू प्रतिवर्ष शारीरिक शिक्षा हेतु दिया जाता है

अशासकीय शालाओ मे बजट

एक शाला मै 130 विद्यार्थियो की सख्या है। और वहा पर 3000/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट है।

दूसरी शाला मे 1100 विद्यार्थियो की सख्या है। और वहा पर 6000/– रू प्रतिवर्ष स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

तीसरी शाला मे 850 विद्यार्थियो की सख्या है और 7000/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

निरन्तर

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

चौथी शाला जिसमे 450 विद्यार्थियो की सख्या है और 2000/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

पांचवी शाला मे 812 विद्यार्थियो की सख्या है और 5000/– रू वहां स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट दिया जाता है।

छटवी शाला मे 500 विद्यार्थियो की सख्या है और 5000/– रू प्रतिवर्ष स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए दिया जाता है।

सातवी शाला मे 400 विद्यार्थियो की सख्या है और 5000/– रू शारीरिक शिक्षा के लिए बजट दिया जाता है।

आठवी शाला मे 500 विद्यार्थियो की सख्या है और 4000/– रू स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए बजट दिया जाता है।

अधिकतर अशासकीय शालाओ मे बजट पर्याप्त है इसका मुख्य कारण है कि इन शालाओ मे बच्चो से अधिक फीस जी ली जाती है। शासीय शालाओ मे नाम मात्र की फीस ली जाती है। इसलिए शारीरिक शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट शासकीय शालाओ मै नही मिलता है।

अत शासकीय शालाओ मे बजट अपर्याप्त है। और अशासकीय शालाओ मे बजट पर्याप्त है।

4.4 शारीरिक शिक्षा संबधी गतिविधिया एव खेलों के लिए समय सारिणी में स्थान

शाला के प्रकार	कुल शालाएं	समय सारिणी मे स्थान	समय अवधि

National Institute of Education LIBRARY Bhopal

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि समय सारिणी मे स्थान सभी आठ उच्च प्राथमिक शासकीय शालाओ मे और सभी आठ उच्च प्राथमिक अशासकीय शालाओ मे दिया गया है।

शारीरिक शिक्षा सम्बन्धी गतिविधियो के लिए समय दो शासकीय शालाओ मे तीस मिनिट का समय दिया जाता है छ शालाओ मे पैतालीस मिनिट का समय दिया जाता है।

अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारीरिक शिक्षा सम्बधी गतिविधियो के लिए एक शाला मे तीस मिनिट का समय दिया जाता है, पाच शासकीय शालाओ मे पैतालीस मिनिट का समय दिया जाता है और दो शालाओ मे साठ मिनिट का समय दिया जाता है।

आधुनिक शिक्षा का उद्देश्य बालक का सर्वागीण विकास करना है। मानसिक विकास शारीरिक विकास पर निर्भर करता है। स्वस्थ शरीर मे ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास निवास करता है दोनो को ही एक दूसरे से पृथक नही किया जा सकता। आज के बच्चे भावी राष्ट्र के नागरिक है इसलिए शाला की समय सारिणी मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए पर्याप्त समय देकर बच्चो के शारीरिक दोषो को दूर कर सकते है तथा स्वास्थ्य सम्बधी अच्छी आदतो का ज्ञान प्रदान कर सकते है।

4 5 उच्च प्राथमिक शालाओ मे क्रीडा स्थल की उपलब्धता एवं आकार

शाला के प्रकार	कुल शालाए	क्रीडा स्थल की उपलब्धता	क्रीडा स्थल के आकार			
			शा उ प्रा शा		अशा उ प्रा शा	
शा उ प्रा शा	8	8	1	80 X 70 मी	2	60 X 50 मी.
			3	50 X 50 मी	1	60 X 90 मी.
अशा उ प्रा शा	8	8	1	80 X 60 मी	2	50 X 50 मी.
			2	50 X 60 मी.	2	50 X 40 मी.

निरन्तर

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि सभी आठ शासकीय तथा आठ अशासकीय शालाओ मै क्रीडा स्थल उपलब्ध है। शासकीय एव अशासकीय शालाओ के पास क्रीडा स्थल कुछ सीमा तक पर्याप्त है जिस पर विभिन्न खेलो जैसे फुटबाल, हॉकी, क्रिकेट आदि खेल क्रियाओ से खेल प्रशिक्षण एव खेल अभ्यास करवाया जा सकता है।

4 6 उच्च प्राथमिक शालाओं मे प्रतिवर्ष होने वाली खेल स्पर्धाओ का आयोजन

खेल स्पर्धाओ का आयोजन	शा.उ प्रा शा.	अशा उ प्रा शा
फुटबाल	0	0
रस्सी कूट	3	4
गोला फेक	2	6
हॉकी	0	0
शतरज	1	3
बैडमिटन	2	5
दौड–कूद	8	8
खो–खो	8	8
कबड्डी	5	6
क्रिकेट	0	0
कैरम	0	2
जूडो	0	4
कुश्ती	2	4

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय शालाओ मे फुटबाल, हॉकी, क्रिकेट, कैरम, जूडो आदि खेलो को खेल स्पर्धाओ के आयोजन मे नही रखा जाता है क्योकि फुटबाल को छोडकर इन खेलो की खेल सामग्री शासकीय शालाओ मे अपर्याप्त है। दौड–कूद, खो–खो, कबड्डी की स्पर्धाए शासकीय शालाओ मे करवायी जाती है।

निरन्तर

अशासकीय शालाओ मे भी फुटबाल, हॉकी और क्रिकेट की स्पर्धाओ का आयोजन नही किया जाता क्योकि अशासकीय शालाओ के क्रीडा स्थल मे खेल सिखाने के लिए तो खिलाये जा सकते है परन्तु इनमे खेल स्पर्धाओ का आयोजन नही किया जा सकता। अशासकीय शालाओ मे बैडमिटन, (ऐथलेटिक्स) दौड–कूद, खो–खो, कबड्डी आदि खेलो की स्पर्धाओ का आयोजन किया जाता है।

अत शासकीय तथा अशासकीय शालाओ मे सभी खेलो की स्पर्धाओ का आयोजन नही किया जाता है। शालाओ मे सभी खेलो की खेल स्पर्धाओ का आयोजन होना चाहिए सभी खेलो की खेल स्पर्धाए करवाने से सभी खेलो की प्रतिभाए उभर कर आयेगी।

4 7 उच्च प्राथमिक शालाओ मे मैदानी तथा आतरिक खेलो की व्यवस्था

बाहरी खेलो की व्यवस्था	शाला के प्रकार		आतरिक खेलो की व्यवस्था	शाला के प्रकार	
	शा.उ प्रा.शा	अशा.उ प्रा.शा		शा उ	अशा उ
खो–खो	8	8	कैरम	3	4
फुटवाल	8	8	शतरज	1	4
दौडकूद	8	8	जूडो	1	5
हॉकी	0	6	कुस्ती	5	6
कब्बडी	5	5	बैडमिटन	2	7
क्रिकेट	0	6	टेबिल टेनिस	0	1
बास्केटवाल	0	4			
गोलाफेक	8	7			
रस्सी कूद	8	8			

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे मैदानी खेलो मे खो–खो, फुटबाल, दौड–कूद, कबड्डी, गोला फेक और रस्सी कूद की व्यवस्था है। आतरिक खेलो की व्यवस्था शासकीय शालाओ मे नही है।

अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे मैदानी खेलो मे खो–खो, फुटबाल,

Regional Institute of Education LIBRARY

निरन्तर

दौड–कूद, हॉकी, कबड्डी, क्रिकेट गोला फेक, रस्सीकूद आदि सभी खेलो की व्यवस्था है।

आतरिक खेलो मे कैरम, शतरज, जूडो, कुश्ती, बैडमिटन आदि की व्यवस्था है।

सामान्य रूप से देखने मे आता है कि अशासकीय शालाओ मे आने वाले बच्चो के पालक बच्चो पर अधिक व्यय कर सकते है। शाला के अतिरिक्त भी वे गतिविधियो पर व्यय करते है। तथा अशासकीय शालाओ मे उन खेलो की भी व्यवस्था है जिन पर खर्चा तुलनात्मक दृष्टि से अधिक होता है।

सारणी क्र 47 को देखने से पता चलता है कि हॉकी, क्रिकेट, बास्केटबाल, शतरज, जूडो, बैडमिटन, कैरम आदि खेल शासकीय शालाओ मे नही खिलाये जाते किन्तु अशासकीय शालाओ मे अधिकतर हॉकी, क्रिकेट, बास्केटबाल, शतरज, जूडो, बैडमिटन, कैरम आदि खेलो का आयोजन किया जाता है।

अत शासकीय शालाओ की तुलना मे अशासकीय शालाओ मे मैदानी तथा आतरिक खेलो की व्यवस्था पर्याप्त है। मैदानी खेलो मे खो–खो और दौड–कूद, गोला फेक और रस्सी कूद अधिक खेले जाते है।

निरन्तर

4 8 उच्च प्राथमिक शालाओ में विद्यालय वार्षिकोत्सव के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली गतिविधियां

गतिविधियो के नाम	शा.उ.प्रा शा.	अशा.उ प्रा.शा
खो–खो	6	7
फुटबाल	1	4
क्रिकेट	0	5
हॉकी	0	1
कबड्डी	5	5
बैडमिटन	0	1
ऊची कूद	6	7
गोला फेक	6	5
कैरम	0	2
शतरज	0	1
जूडो	0	5
रस्सी कूद	5	4
दौड–कूद	8	8
कुश्ती	2	5

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे विद्यालय वार्षिकोत्सव मे खो–खो, कबड्डी, ऊची कूद, गोला फेक, रस्सी कूद, और दौड–कूद आदि खेलो को रखा जाता है। क्रिकेट, हॉकी, शतरज, जूडो जैसे विख्यात खेलो को नही रखा जाता क्योकि इन खेलो की खेल सामग्री शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे नही है।

अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे विद्यालय वार्षिकोत्सव मे खो–खो, कबड्डी, ऊची कूद, गोला फेक, क्रिकेट, जूडो, कुश्ती और दौड–कूद को रखा जाता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

निरन्तर

4 9 उच्च प्राथमिक शालाओ मे खेल सामग्री की उपलब्धता एवं आयोजित की जाने वाली क्रियाए

उपलब्ध सामग्री	शा.उ.प्रा शा.	अशा उ.प्रा.श.	आयोजित की जाने वाली खेल	श.उ. प्रा.शा	अशा उ. प्रा शा.
खेल का नाम			क्रियाएँ खेल का नाम		
फुटवाल सबधित	8	8	फुटवाल	7	8
क्रिकेट ,,	1	6	क्रिकेट	0	6
बैडमिटन ,,	3	7	बैडमिटन	3	7
हॉकी ,,	0	6	हॉकी	0	6
बालीवाल ,,	2	3	बालीवाल	2	3
कैरम ,,	3	4	कैरम	3	3
शतरज ,,	1	4	शतरज	0	2
टेबिल टेनिस,,	0	1	टेबिल टेनिस	0	1
बास्केटबाल ,,	0	4	बास्केटबाल	0	3
गोला फेक ,,	8	8	गोला फेक	6	6
रस्सी कूद ,,	8	8	रस्सी कूद	8	8

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे फुटबाल, गोला फेक, रस्सी कूद की खेल सामग्री है तथा क्रिकेट, हाकी, बास्केटवाल शतरज आदि खेलो की खेल सामग्री उपलब्ध नही है इसलिए इन खेलो की क्रियाए शासकीय शालाओ मे नही करवायी जाती।

जबकि अशासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे सभी खेलो की खेल सामग्री उपलब्ध है। इसलिए वहा सभी खेलो की खेल क्रियाए करवायी जाती है।

विद्यार्थी 1987 ने बिहार के गया जिले मे हुए शोधकार्य माध्यमिक शासकीय एव अशासकीय शालाओ मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा की सुविधाओ का तुलनात्मक अध्ययन किया। इस अध्ययन मे भी यह पाया गया था कि अशासकीय शालाओ की अपेक्षा शासकीय शालाओ मे खेल सामग्री अपर्याप्त है। और आज भी अशासकीय शालाओ की तुलना मे शासकीय शालाओ मे खेल सामग्री अपर्याप्त है। शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रमो की उचित व्यवस्था के लिए इससे सम्बधित उपकरणो का

Regional Institute of Education LIBRARY

निरन्तर

LIBRARY Bhopal

होना आवयश्क है। प्रत्येक शालाओ मे सभी खेलो की खेल सामग्री उपलब्ध होना चाहिए जिससे बच्चे को सभी खेलो की खेल क्रियाओ का ज्ञान प्रदान किया जा सके।

4.10 उच्च प्राथमिक शालाओ में स्वास्थ्य परीक्षण की अवधि तथा शारीरिक स्वच्छता सम्बधी जाच जानकारी

शाला के प्रकार	स्वास्थ्य परीक्षण अवधि		शारि. स्वाच्छता सम्बंधी जाच	
	वर्ष मे एक बार	वर्ष मे दो बार	सप्ताह मे	माह मे
शा उ प्रा शा	8	0	3	5
अशा उ प्रा शा	5	3	6	2

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे छात्रो का स्वास्थ्य परीक्षण वर्ष मे एक बार ही करवाया जाता है। अशासकीय शालाओ मे भी अधिकतर शालाओ मे एक बार ही छात्रो का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जाता है।

शारीरिक स्वाच्छता सम्बधी जाच शासकीय शालाओ मे माह मे की जाती है। और अशासकीय शालाओ मे छात्रो की स्वच्छता सम्बधी जाच सप्ताह मे की जाती है।

4.11 उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारी, शिक्षा का मूल्याकन मापन तथा छात्रो के ग्रुप का आधार

शाला के प्रकार	मूल्याकन/मापन		छात्रो के ग्रुप का आधार	
	गुणात्मक	सख्यात्मक	कक्षा	आयु
शा उ प्रा शा	5	3	7	1
अशा उ प्रा शा	6	2	6	2

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि पाच शासकीय शालाओ मे छात्रो का मूल्याकन के लिए गुणात्मक मापन किया जाता है। और तीन शालाओ मे मूल्याकन के लिए सख्यात्मक मापन किया जाता है। अशासकीय छ शलाओ मे मूल्याकन के लिए गुणात्मक मापन किया जाता है और दो शालाओ मे सख्यात्मक मापन किया जाता है।

छात्रो के ग्रुप का आधार शासकीय तथा अशासकीय शालाओ मे कक्षा के आधार पर किया जाता है आयु के आधार पर नही किया जाता है।

इस अध्ययन मे यह एक अच्छी बात देखने मे आयी है कि अधिकतर शासकीय

निरन्तर

तथा अशासकीय शालाओ मे शारीरिक शिक्षा का मूल्याकन के लिए गुणात्मक मापन किया जाता है।

छात्रो के ग्रुप का आधार शारीरिक शिक्षा मे आयु के अनुसार होना चाहिए।

4.12 विद्यालय मे उपलब्ध सुविधाए

सुविधाए	शा उ. प्रा शा.	अशा. उ. प्रा. शा.
पीने का पानी	7	8
अलग–अलग शौचालय	8	8
शाला भवन की स्वच्छता	5	7
प्रकाश व्यवस्था	5	6
खिडकिया	8	8
सफेदी	3	6
रोशनदान	8	8
क्रीडा स्थल सफाई	4	7
पखे	3	6
कूडादान	2	6
विद्यार्थी बैठते है कुर्सी पर	0	7
कचरा नष्ट किया जाता है जलाकर	5	5
फेरी वाले खाने की वस्तुए ढकते है	2	5

उपरोक्त सारिणी से स्पष्ट है कि शासकीय तथा अशासकीय शालाओ मे पीने का पानी, बालक–बालिकाओ के लिए अलग–अलग शौचालय, शाला भवन की स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, खिडकिया, रोशनदान, सफेदी आदि की व्यवस्था है। शासकीय शालाओ मे पखे व कूडेदान और क्रीडा स्थल की सफाई की व्यवस्था नही है शासकीय अशासकीय शालाओ मे कचरा जलाकर नष्ट किया जाता है जो कि अच्छी बात है। इससे रोगो के कीटाणु नही पनप पाते है।

किन्तु शासकीय शालाओ मे कूडेदान की व्यवस्था न होने से बच्चे कचरा कही भी फेक देते है। अत शालाओ मे केडेदान की व्यवस्था होनी चाहिए।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

निरन्तर

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

स्वास्थ्य परीक्षण

स्कूल के अधिकारियो को चाहिए कि वे विद्यार्थियो के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था करे विद्यार्थियो के नेत्र, श्रवण, रीड की हड्डी की विकृति, सुषुम्ना विकृति को भी दूर करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। इतना ही नही, कागज व स्याही, पढने की सामग्री, ब्लैक बोर्ड और चॉक का प्रयोग भी ऐसा हो जिससे छात्रो के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव न पडे। शैक्षिक सत्र के प्रारम्भ होने के साथ ही सभी छात्रो की जाच की जानी चाहिए। यदि किसी छात्र मे कोई दोष हो तो उसका पता करके इसकी जानकारी प्राचार्य तथा उसके माता–पिता को सूचना देनी चाहिए और उसका रिकार्ड शाला तथा डॉक्टर दोनो के पास होना चाहिए।

छात्रो के शारीरिक स्वास्थ्य की परीक्षा नियमित रूप से होनी चाहिए। प्रथम चरण मे डॉक्टर छात्रो के कद और भार का निरीक्षण करे। इस तरह वह छात्रो के तुलनात्मक भार का पता लगा सकता है लम्बे व छोटे कद का पता लगा सकता है। छात्रो के दौडने, लिखने, खडे होने और बैठने के ढग का भी ध्यान रखना चाहिए।

शारीरिक स्वाच्छता

इसके अतिरिक्त अध्यापक छात्रो की निजी स्वच्छता जैसे दात, नाखून, हाथ, बाल, आख, चमडी,शरीर और वस्त्रो की सफाई का निरीक्षण कर सकता है। वह उनके चर्म रोगो जैसे दाद, खुजली और छाले आदि का पता लगा कर उचित सलाह प्रदान कर सकता है।

स्वास्थ्य लेखा

शाला को एक रजिस्टर बनाना चाहिए जिसमे प्रत्येक छात्र के भार, आकार, दृष्टि, श्रवण, छाती के नाप का उल्लेख हो छात्रो की बीमारियो का उल्लेख हो। इस तरह छात्र को एक कार्ड दिया जा सकता है और इसकी प्रतिलिपि रजिस्टर मे दर्ज की जा सकती है। शाला के अधिकारियो का यह कर्त्तव्य है कि वे प्रत्येक छात्र के स्वास्थ्य का रिकार्ड रखे और इसकी प्रतिलिपि अभिभावको को भेजे। शासकीय उच्च प्राथमिक शालाओ मे बच्चे टाटपट्टी पर बैठते है और अशासकीय शालाओ मे भी बच्चो के लिए टेबिल कुर्सी की व्यवस्था होनी चाहिए। शासकीय शालाओ मे फेरी बालो पर ध्यान नही दिया जाता इसलिए वे बिना ढकी हुई खाद्य सामग्री छात्रो को बेचते रहते है।

अशासकीय शालाओ मे फेरी बालो पर ध्यान दिया जाता है और ऐसी कोई भी

निरन्तर

खाद्य सामग्री बेचने बाले को शाला के पास खडे नही होने दिया जाता है जो कि बिना ढकी हुई खाद्य सामग्री बेचते है।स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के द्वारा बच्चो मे शारीरिक निपुणता, प्रगति और मानसिक जागृति लाकर उनके आचरण और व्यक्तिगत का विकास किया जा सकता है। प्रगति और स्वास्थ्य–जीवन जीने के योग्य बनाया जा सकता है। बच्चो मे शारीरिक शिक्षा के द्वारा अच्छे नागरिक बनने की योग्यता उत्पन्न की जा सकती है।

स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा तथा खेलकूद अधिगम प्रकिया के अनिवार्य अग होने चाहिए तथा शिक्षार्थी की कार्यक्षमता का मूल्याकन करते हुए इन्हे भी ध्यान मे रखना चाहिए ताकि स्वास्थ्य समुदाय का निर्माण हो सके सभी स्तरो पर चिकित्सा सबधी निरीक्षण और जाच अनिवार्य कर देना चाहिए बच्चो मे साफ–सुथरा रखने मानसिक सतुलन बनाए रखने, भावनात्मक स्वास्थ्य और स्वाथ्य सामुदायिक रहन–सहन की आदतो का विकास करने को महत्वपूर्ण स्थान देना चाहिए। स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए छपी हुई सामग्री होना चाहिए। ताकि सभी खेलो का ज्ञान प्रदान किया जा सके। सभी शालाओ मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा के लिए पर्याप्त बजट हो और खिलाडियो को उत्साहित किया जाये।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal